उत्तराखण्ड जैवविविधता बोर्ड
UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

Quarterly Newsletter | SUMMER EDITION | April - June 2024

INSIDE THIS ISSUE

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 का आयोजन 01

Celebration of World Environment Day 2024 05

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सफलतापूर्वक मनाया गया (21 जून, 2024) 07

Representation in Conferences/Lectures/ Seminars/Workshops 08

उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 का आयोजन

वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nation General Assembly-UNGA) ने जैव विविधता के मुद्दों पर समझ और जागरूकता बढाने हेतु 22 मई को अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (IDB) के रूप में घोषित किया। कुनमिंग – मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन का समर्थन करके जैव विविधता की हानि को रोकने के लिए सभी हितधारकों के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जिसे जैव विविधता योजना के रूप में भी जाना जाता है।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2024 की Theme **"योजना का हिस्सा बनें"** थी, प्रत्येक वर्ष, बोर्ड द्वारा जैव विविधता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने हेतु 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष, बोर्ड ने इस महत्वपूर्ण दिन को दो चरणों में चिह्नित किया, प्रारंभिक गतिविधियाँ, 22 मई से पहले आयोजित की गई और मुख्य समारोह 22 मई को आयोजित किया गया।

प्रारंभिक गतिविधियाँ–

जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर जोर देने के लिए, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड ने तीन स्कूलों में प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की। इन प्रतियोगिताओं में ड्राइंग, निबंध लेखन और Slogan writing शामिल थे, जो जैव विविधता संरक्षण से सम्बंधित विषय थे।

"Biodiversity Conservation.... An art of living with nature."

बोर्ड ने देहरादून में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आईटीबीपी बल में उपरोक्त प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें कक्षा 3 से 10 तक के लगभग 128 छात्रों ने भाग लिया।

इसी तरह, देहरादून के वसंत विहार में श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल के प्राथमिक खंड और मध्य शाखा में, कक्षा 3 से 5 तक के 270 छात्रों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया, जबकि कक्षा 6 से 8 तक के 40 छात्रों ने क्रमशः Slogan writing और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

22 मई 2024 को मुख्य कार्यक्रम का आयोजन उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड द्वारा उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST) के सहयोग से क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, देहरादून में किया गया। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. डी.पी. उनियाल, यूकोस्ट द्वारा दिए गए परिचयात्मक संबोधन के साथ शुरू हुई। यूकोस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, डॉ. धनंजय मोहन (अध्यक्ष, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड), श्री आर.के. मिश्रा (सदस्य सचिव, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड), प्रो. दुर्गेश पंत (महानिदेशक, UCOST), श्री राकेश खत्री (नेस्ट मैन ऑफ इंडिया) और मो. तहसीन, कुंजाग्रांट बी.एम.सी. के सदस्य मौजूद रहे।

श्री आर.के. मिश्रा, सदस्य सचिव, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड ने डॉ. जोशी के प्रयासों की सराहना की और जैव विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाने के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने उपस्थित लोगों से उत्तराखंड में जंगल की आग से निपटने के सामूहिक प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

पिछले एक वर्ष में उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड (यू.के.एस.बी.बी.) की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो प्रस्तुति का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद यू.के.एस.बी.बी. द्वारा आयोजित राज्य प्रतीक–थीम फोटोग्राफी प्रतियोगिता और विभिन्न शैक्षिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्रों का औपचारिक वितरण किया गया।

भारत के नेस्ट मैन के रूप में पहचाने जाने वाले श्री राकेश खत्री ने जैव विविधता के महत्व पर जोर दिया और घोंसला बनाने के माध्यम से पक्षी संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने अब तक लगभग 7.25 लाख घोंसले बनाए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मेहमानों को महिलाओं द्वारा जलकुंभी पौधे से बनाए गए उपहार भी भेंट किए।

यूकोस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने जैव विविधता क्षरण और जलवायु परिवर्तन के संबंध में गंभीर चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने जीडीपी (Gross Domestic Product) पर जीईपी (Gross Environment Product) को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया।

तत्पश्चात, गजेंद्र पाठक और महातिम यादव द्वारा वनाग्नि की घटनाओ को कम करने के लिए शीतलाखेत की सफलता की कहानी को प्रदर्शित करते हुए एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने सहयोगात्मक प्रयास पर प्रकाश डाला जिसके कारण सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी के साथ लगभग 1100 हेक्टेयर वन भूमि का पुनरुद्धार संभव हुआ।

डॉ. धनंजय मोहन, अध्यक्ष, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड ने वनाग्नि, जैव विविधता से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करने में स्थानीय भागीदारी की अनिवार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये मुद्दे स्थानीय सीमाओं को पार करते हैं और वैश्विक प्रभाव डालते हैं। डॉ. मोहन ने आनंद वन के समान अतिरिक्त क्षेत्रों की स्थापना करने की ओर ध्यान केन्द्रित किया, जो सीखने के अवसरों को सुविधाजनक बनाएगा।

मुख्य अतिथि डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने हिमालय की जैव विविधता और इसके संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने व्यापक विकास के लिए पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच एक नाजुक संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। हिमालयी क्षेत्र को जैव विविधता के हॉटस्पॉट और प्राकृतिक आपदा–प्रवण क्षेत्र दोनों के रूप में रेखांकित करते हुए उन्होंने विज्ञान आधारित विकास के महत्व को रेखांकित

किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी बताया की ग्रामीण समुदाय अपने शहरी समकक्षों की तुलना में अधिक पर्यावरणीय चेतना प्रदर्शित करते हैं। अपनी टिप्पणी का समापन करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी पर है, इसलिय प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए जैव विविधता संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए।

अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। डॉ. एम.एस. रावत (वैज्ञानिक अधिकारी) ने अपने समापन भाषण में सभी सम्मानित अतिथियों और राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक डॉ. साकेत बडोला, उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड के अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों के सदस्यों, यूकोस्ट और क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों, मीडिया के प्रतिनिधियों, इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों सहित अन्य प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

उत्तराखंड, वन प्रभागों के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

- अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (आईडीबी) मनाने के लिए उत्तराखंड के दस वन प्रभागों (कुमाऊं क्षेत्र से पांच और गढ़वाल क्षेत्र से पांच) ने 22 मई को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने और वनाग्नि की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूलों में आयोजित इन पहलों में छात्रों और स्थानीय निवासियों को सम्मिलित किया गया।

Celebration of World Environment Day 2024

Uttarakhand Biodiversity Board (UBB) orchestrated a series of activities to mark World Environment Day 2024. The events, held from 3rd to 5th June 2024, focused on the theme "Land Restoration, Desertification, and Drought Resilience" and incorporated Mission LiFE action points. These initiatives took place in the Matakmajri (Kulhal), Kunjagrant Gram Panchayat (Vikasnagar Block) and near Kali Mandir, Vasant Vihar, District Dehradun.

The World Environment Day celebrations aimed at several key objectives. These included the promotion of greenery by encouraging tree plantation efforts, revitalizing water canals through cleaning and restoration activities, and fostering native biodiversity by removing invasive alien species. Additionally, the events sought to increase public awareness regarding environmental conservation and the adoption of sustainable practices.

The event was undertaken by the Uttarakhand Biodiversity Board with Matakmajri (Kulhal), Kunjagrant Biodiversity Management Committee and near Kali Mandir, Vasant Vihar, Dehradun Representative of Forest Department, and local village residents and volunteers.

Activities Conducted

1. Tree Plantation Drive

The tree plantation drive was a cornerstone of the World Environment Day celebrations. It aimed to enhance the green cover and contribute to land restoration efforts.

The plantation campaign, organized by Uttarakhand State Biodiversity Board, took place in the vicinity of Village Kulhal, Kunjagrant gram panchayat & near Vasant Vihar, Dehradun. A total of 52 participants, comprising UBB staff, members from the Kulhal, Kunjagrant Biodiversity Management Committee (BMC) and near Vasant Vihar, Dehradun representatives from the Local Forest Department, and local residents, actively took part in the event.

Plantation Details:

A variety of native tree species were chosen for planting to ensure ecological balance and support local biodiversity. Total 80 saplings of species included various fruit-bearing trees were selected for plantation such as Amla (*Emblica officinalis*), Silver Oak (*Grevillea robusta*), Jamun (*Syzygium cumini*), Harad (*Terminalia chabula*), Pilkhan (*Ficus virens*), Kachnar (*Bauhinia variegata*) and for land restoration Bamboo (*Bambusa vulgaris*) was collected from Anand Van nursery and planted during the three days event. During the event, awareness among participants about the tree plantation and also their commitment to the rebuilding of degraded land led enhancing habitat for local biodiversity and improved habitat of tree plantation.

2. Cleaning of Water Canal

The cleaning of the local water canal was another significant activity aimed at ensuring water conservation and quality by removing debris, plastic waste and other pollutants from canal. The activity took place near

Kali Mandir, Vasant Vihar, Dehradun. UBB staff spearheaded the initiative with the help of local volunteers.

Gloves, trash bags, rakes, and other necessary tools were provided to the participants. Safety measures were ensured to protect volunteers from potential hazards. Canal Cleaning drive led to the community awareness about the importance of keeping water bodies clean, Improved water quality, reduced risk of waterborne disease and flow in the canal.

3. Removal of Invasive Alien Species

The manual uprooting and safe disposal of invasive alien species such as Lantana (*Lantana camara*) & Congress grass (*Parthenium hysterophorus*) were conducted near Kali Mandir, Vasant Vihar, Dehradun to promote the growth of native flora and maintain ecological balance. UBB staff along with local volunteers participated in the removal process.

- Reduction in the spread of invasive species.
- Restoration of native biodiversity.
- Enhanced ecological health of the local environment.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सफलतापूर्वक मनाया गया (21 जून, 2024)

उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड द्वारा शिव मंदिर, इंदिरा नगर, देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी Theme **(योग स्वयं और समाज के लिए)** थी। इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जो योग के समग्र लाभों और जैव विविधता संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ आए थे।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व योगाचार्यो गीता बाघरी, बीना उनियाल, पूजा पटवाल, पी.एल. कंडवाल और बलबीर सिंह चौहान ने किया, जिन्होंने एक व्यापक योग सत्र का संचालन किया। एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान के बाद, प्रतिभागियों ने लगभग नब्बे मिनट तक योगाचार्यो के मार्गदर्शन में विभिन्न आसन और श्वास अभ्यास किए। योगाचार्य द्वारा बताया गया कि कैसे योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है।

व्याख्यान के पश्चात्, योगाचार्य ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम (श्वास व्यायाम) के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए योग सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की। ये सत्र शुरुआती और अनुभवी योग साधकों दोनों के लिए प्रस्तुत किए गए थे, ताकि हर कोई अनुसरण कर सके और अभ्यास से लाभ उठा सके। इस कार्यक्रम में बोर्ड के कर्मचारी, स्थानीय निवासी और स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन ने सामुदायिक भावना को मजबूत किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति सभी को प्रेरित किया।

योग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभों के अलावा, कार्यक्रम ने जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। बोर्ड ने पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और मानव जीवन का समर्थन करने में जैव विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को स्थानीय जैव विविधता मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई और अपने पर्यावरण के संरक्षण में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम ने सफलतापूर्वक योग और जैव विविधता के विषयों को जोड़ा, जिसमें योगाचार्य ने बताया कि कैसे दोनों प्रथाएं सद्भाव और संतुलन को प्रोत्साहित करती हैं। प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संरक्षण दोनों को शामिल करने वाला समग्र दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

शिव मंदिर, देहरादून में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी। इसने योग के माध्यम से शारीरिक पुनरुत्थान के लिए एक मंच प्रदान किया और साथ ही प्रकृति के साथ एक गहरा संबंध और जैव विविधता को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया। प्रतिभागी कार्यक्रम से एक नवीनीकृत उद्देश्य और कल्याण की भावना के साथ लौटे, स्थानीय पर्यावरणीय पहलों में शामिल होने के लिए प्रेरित हुए।

Conferences/Lectures/Seminars/Workshops

Inter & Intra-Ministerial Consultation Meetings on the Updation of NBSAP and Adoption of NBTs in line with the Kunming-Montreal Global Biodiversity Framework, held on 5 April, 2024 at Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi. Dr. Dhananjai Mohan, Chairman, Uttarakhand Biodiversity Board participated in this meeting. The agenda of the meeting was **"Meeting People's Needs through Sustainable use and Benefit-Sharing"**.

The Convocation and Passing Out Ceremony is set to take place on April 9, 2024, at the Central Academy for State Forest Service in Coimbatore. This significant event marks the culmination of training for the graduating officers who have completed their course. Dr. Dhananjai Mohan, Chairman of the Uttarakhand Biodiversity Board, participated in the ceremony. His presence underscores the importance of the event and highlights the role of biodiversity and environmental management in the training of forest service officers.

Guidance
Dr. Dhananjai Mohan, IFS, Chairman

Direction
Shri R.K. Mishra, IFS, Member Secretary

Photo credits
Uttarakhand Biodiversity Board

Contribution
All Board Staff

Designed & Published by
Uttarakhand Biodiversity Board, Dehradun

उत्तराखण्ड जैवविविधता बोर्ड
UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD

UTTARAKHAND BIODIVERSITY BOARD
423, Indira Nagar Colony, Dehradun-248006
Contact no.: 91-135-2769886 ✸ Email: sbboard-uk@gov.in ✸ Website: www.sbb.uk.gov.in